

## राष्ट्रीय हरति अधिकरण

# राष्ट्रीय हरति अधिकरण

राष्ट्रीय हरति अधिकरण (NGT) पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मामलों के त्वरित समाधान हेतु एक विशेष निकाय है।

### परिचय

- ⊙ **स्थापना:** राष्ट्रीय हरति अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत
- ⊙ **उद्देश्य:** पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संबंधी मामलों का त्वरित समाधान
- ⊙ **मामले का समाधान:** 6 माह के अंदर
- ⊙ **मुख्यालय:** नई दिल्ली (मुख्यालय), भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई

### संरचना

- ⊙ **संरचना:** अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य
- ⊙ **कार्यकाल:** 5 वर्ष तक/65 वर्ष की आयु तक (पुनर्नियुक्ति नहीं)
- ⊙ **नियुक्तियाँ:** अध्यक्ष - केंद्र सरकार (भारतीय मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से)
  - ⊙ 10-20 न्यायिक सदस्य और 10-20 विशेषज्ञ सदस्य - चयन समिति

भारत विश्व स्तर पर तीसरा देश है (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद) साथ ही NGT जैसा विशेष पर्यावरण अधिकरण स्थापित करने वाला पहला विकासशील देश भी है।

### शक्तियाँ और अधिकार क्षेत्र

- ⊙ **अधिकार क्षेत्र:** पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अधिकारों पर दीवानी मामले
- ⊙ **स्वप्रेरणा से अधिकार (Suo Motu Powers):** वर्ष 2021 से प्रदान किये गए
- ⊙ **भूमिका:** न्यायिक, निवारक और उपचारात्मक
- ⊙ **प्रक्रिया:** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है
  - ⊙ CPC, 1908 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के तहत बाध्य नहीं
- ⊙ **सिद्धांत:** सतत् विकास; निवारक (Precautionary); प्रदूषक भुगतान (Polluter Pays)
- ⊙ **आदेश:** सिविल कोर्ट के आदेशों के अनुसार निष्पादन योग्य; राहत और मुआवज़ा प्रदान करता है (**निर्णय बाध्यकारी हैं**)
- ⊙ **अपील:** अधिकरण अपने निर्णयों की समीक्षा कर सकता है।
  - ⊙ यदि निर्णय विफल हो जाता है - 90 दिनों के अंदर उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिये

### NGT निम्नलिखित के तहत सिविल मामलों का समाधान करता है

- ⊙ जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- ⊙ जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977
- ⊙ वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
- ⊙ वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- ⊙ पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- ⊙ सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991
- ⊙ जैव-विविधता अधिनियम, 2002

